Group - B. Civics Teaching

Unit - 1 - B

Meaning of Civics [नागरिकशास्त्र का अर्थ]

नागरिकशास्त्र सामाजिक विज्ञान की वह शाखा है, जो मनुष्य को सफल सामाजिक जीवन व्यतीत करने में कुशलता प्रदान करता है। यह विषय व्यक्ति को एक सफल एवं सुसंस्कृत नागरिक बनने का प्रशिक्षण भी देता है।

यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने कहा है कि "मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है"। वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति तथा विकास के लिए समाज पर निर्भर करता है। समाज से परे हम उसके अस्तित्व की कल्पना नहीं कर सकते।

नागरिकशास्त्र को अंग्रेजी में 'सिविक्स' [Civics] कहा जाता है जिसकी उत्पत्ति लैटिन भाषा के 'सिविस' [Civis] शब्द से हुई है। Civis का अर्थ 'नागरिक' होता है। कुछ विद्वानों के अनुसार 'सिविक्स' शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के ही दूसरे शब्द 'सिविटास' से हुई है जिसका अर्थ 'नगर राज्य' होता है।

'नागरिक' के अन्तर्गत वे सभी व्यक्ति आ जाते हैं, जो चाहे गाँवों में रहते है या नगरों में, जिन्हें राज्य की ओर से राजनैतिक व सामाजिक अधिकार प्राप्त होते हैं।

Definition of Civics (ना० शा० की परिभाषा)

महान् दार्शनिक अरस्तू के शब्दों में

"नागरिक शास्त्र वह विज्ञान है, जो सर्वोत्तम रूप में सम्भावित सामाजिक दशाओं का अध्ययन करती है।"

विश्व कोष ब्रिटेनिका के अनुसार, "समाज में रहने वाले व्यक्तियों के अधिकारों व कर्तव्यों का अध्ययन करने वाला शास्त्र ही नागरिक शास्त्र है।"

डा० बेनी प्रसाद के मतानुसार, "नागरिक-शास्त्र के मुख्य विषय समाज में मनुष्य के अधिकार तथा कर्तव्य है जिनको वह समाज में रहकर पूर्ण करता है।"

श्री पु० ताम्बेकर के अनुसार, "यह नागरिक शास्त्र का विज्ञान तथा दर्शन है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं में नागरिक शास्त्र की परिभाषा विषय-विशेषज्ञों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से दी है। विचारक इस विषय को एक गतिशील विज्ञान के रूप में देखते है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया